गानेवाली गुड़िया

गानेवाली गुड़ियां

लेखक : छाङ रुइ
चित्रकार : शाङ श्यु

डॉलफिन प्रकाशन पेइचिङ

①इस गुड़िया का नाम छाम्रोई है।
②
उसका कोई खरीदार नहीं है।

एक ने उसे उठा कर फौरन वापस
रख दिया।
③
एक चाचा जी ने उसे उठा लिया।
④

अपने कारखाने ले जाकर कैंची निकाली।
⑤
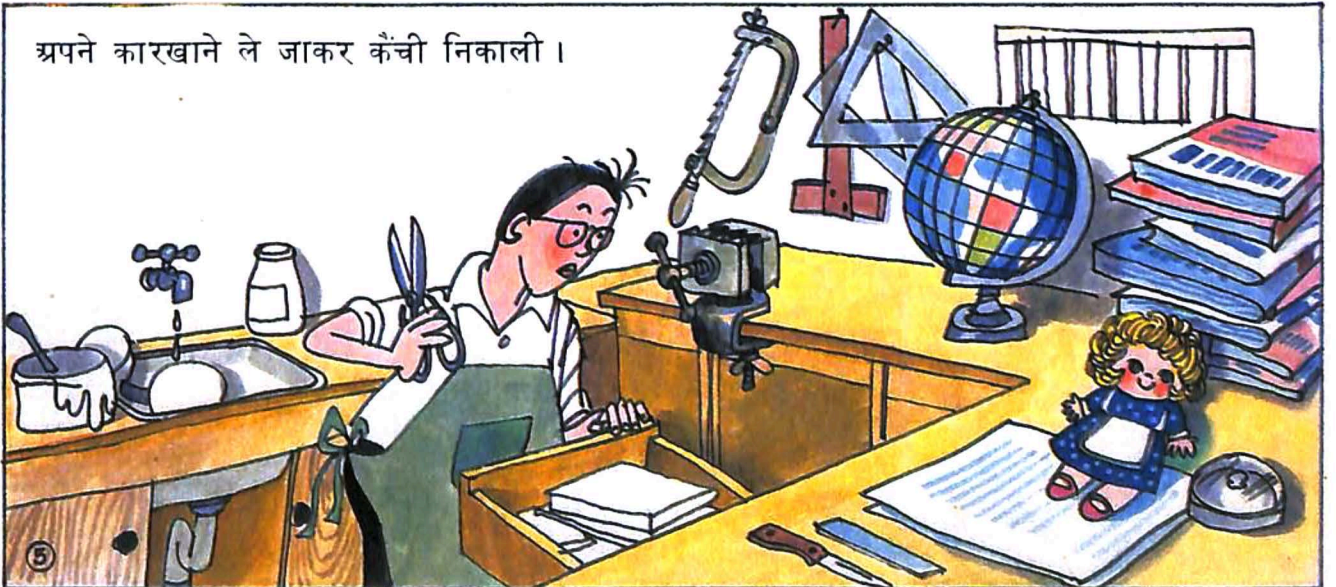
गुड़िया की पीठ काटी ।
उसमें एक नन्हा टेप-रिकार्डर जमा दिया ।

उसे एक जिप से ढक दिया ।
रिकार्डर में टेप लगाया ।
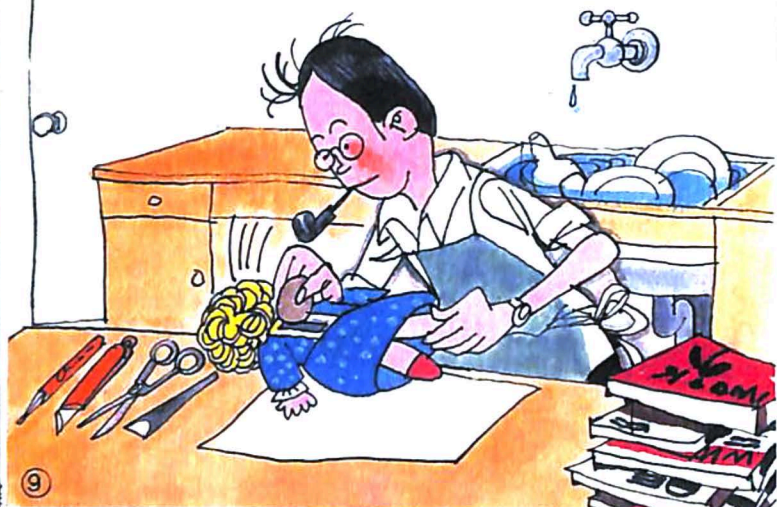
अब छाओई गाने लगी ।
चाचा जी उसे वापस दूकान ले आए ।

देखो, कितनी प्यारी गुड़िया है।
मैं तो रेलगाड़ी लूंगी।
इस गाती गुड़िया को तो देखो।
मैं लूगा, मैं भी लूंगा।
लड़-लड़ ने उसे खरीद लिया।

सबने छाओई का गाना सुना ।

छाओई ने अनेक गाने गाए ।
कमाल है, बहुत सुंदर गाती है ।

मजा आ गया !
बाइ – बाइ !
चलो, सब मिलकर संगीत-समारोह करो।

आऊ!
आऊ !
संगीत-समारोह शुरू हुआ । बाघ गाने लगा ।

बंदर ने झांझ बजाई ।

छाओई ने एक टेप लगाया ।

सारे खिलौनों को अच्छी तरह देखा ।
27
28
फिर सहसा रोने लग गई ।

अरे ! इसे क्या हुआ ?
29
टेप उलटा लग गया था ।
30

31
इस बार वह ठीक गाने लगी ।

लइ-लइ टी. वी.
देखने लगी ।

लइ-लइ ने पूछा — कार्टून
फिल्म कैसी लगी ?

हम भी अपना टी. वी.
स्टेशन खोलें ?
ठीक, ठीक ।
मैं सहमत हूं ।
टी.वी. स्टेशन का
नाम क्या रहेगा ?
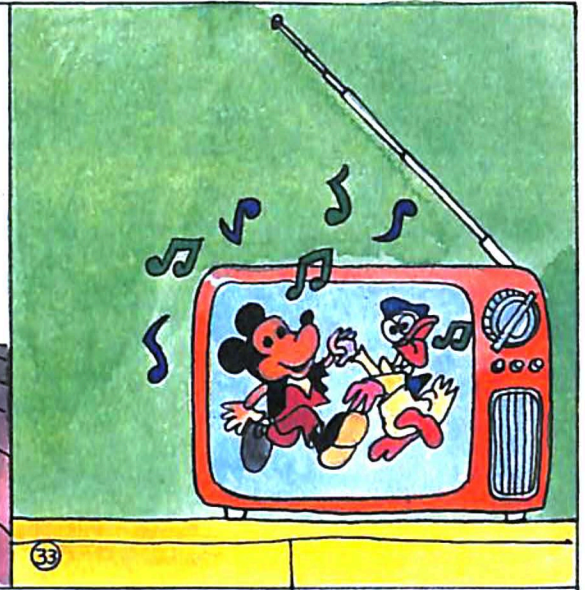
छाओई स्टेशन।
छाओई अन्य खिलौनों के साथ बाहर निकली।
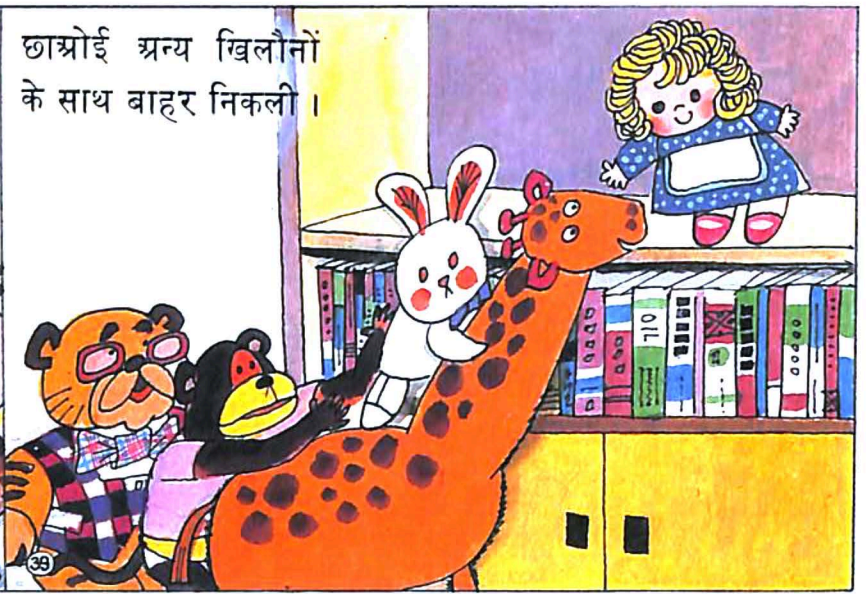
वे सब टी. वी. स्टेशन की ओर जा रहे थे।

आप का स्वागत है।
खिलौनों ने अपने आने का कारण बताया।

ठीक, मैं आपकी राय से सहमत हूं।
43
कार्यक्रम-प्रसारण शुरू हो गया।
44
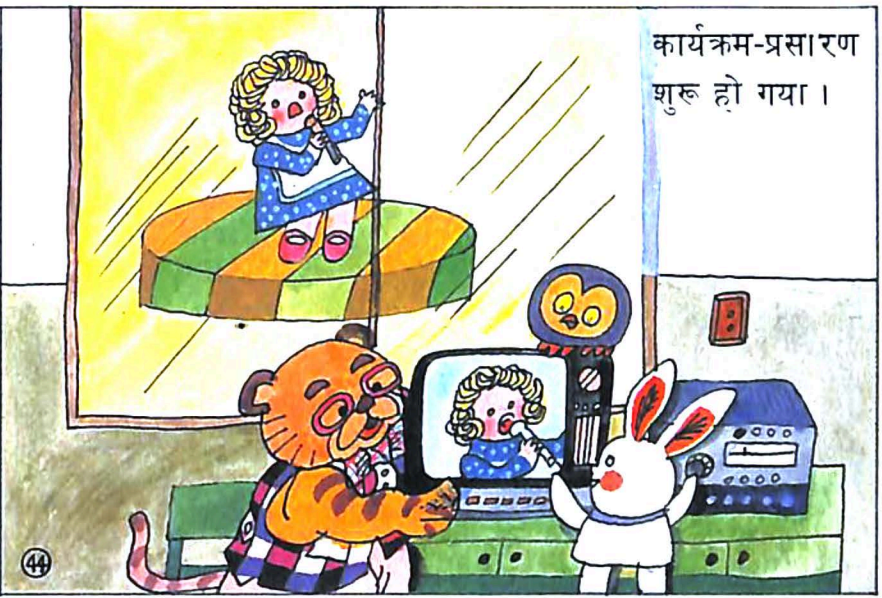
चिम्पांजी बोला, "बहुत कम दर्शक हैं।"
45

सबका उत्साह ठंडा पड़ गया।
46

छाओई ने सुझाया, "हम थियेटर में कार्यक्रम क्यों न दें?"
47

खिलौनों ने मेक-अप शुरू किया।

छाओई ने एक गाना गाया।

वाह-वाह,
खूब गाती है।
अचानक गाना क्यों रुक गया ?

गाना क्यों बंद कर दिया ?
बैटरी खत्म हो गई।
यदि किसी के पास फालतू बैटरी हो तो कृपया दे दें।
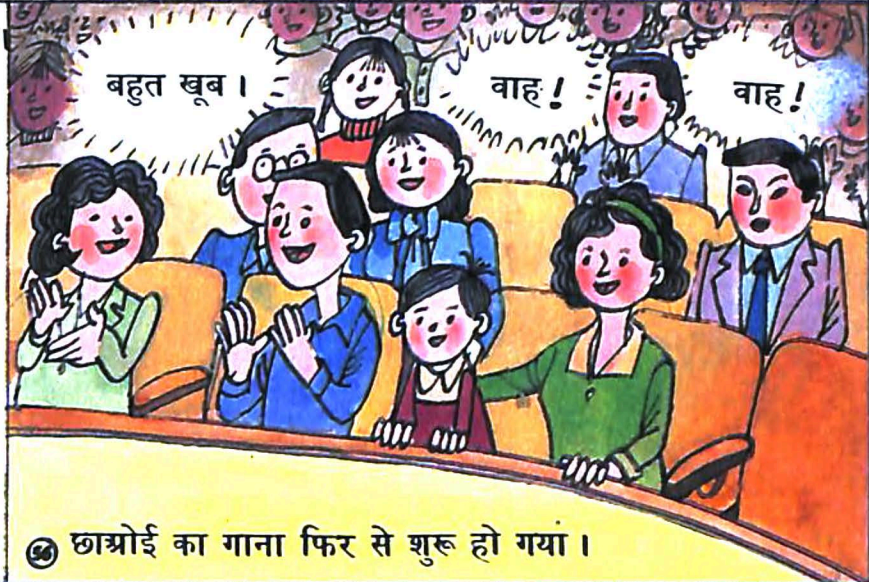
किसी ने रिस्टवाच की बैटरी दे दी।
10:05
बहुत खूब।
वाह !
वाह !
छाग्रोई का गाना फिर से शुरू हो गया।

दूसरा प्रोग्राम बैण्ड का था।
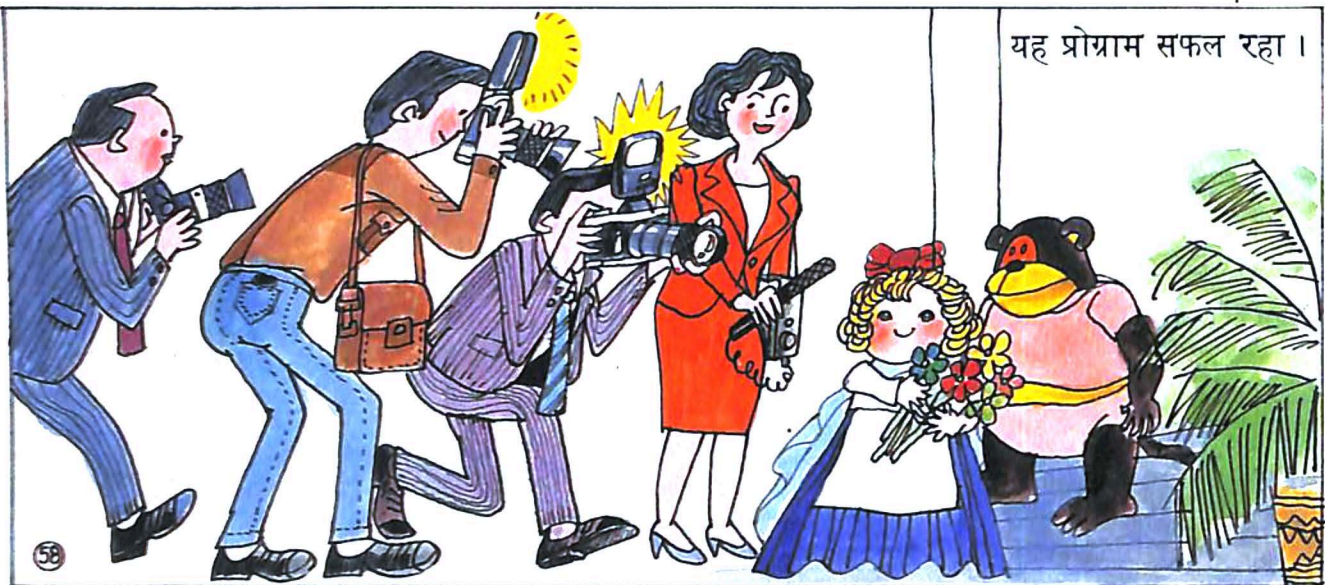
यह प्रोग्राम सफल रहा।

रातोंरात वे प्रसिद्ध हो गए।
टी. वी. स्टेशन से वीडियो फिल्म बनाने का फोन आया।

कठपुतली-संस्थान से भी निमंत्रण मिला।
अनेक बालकों ने पत्र लिखे।
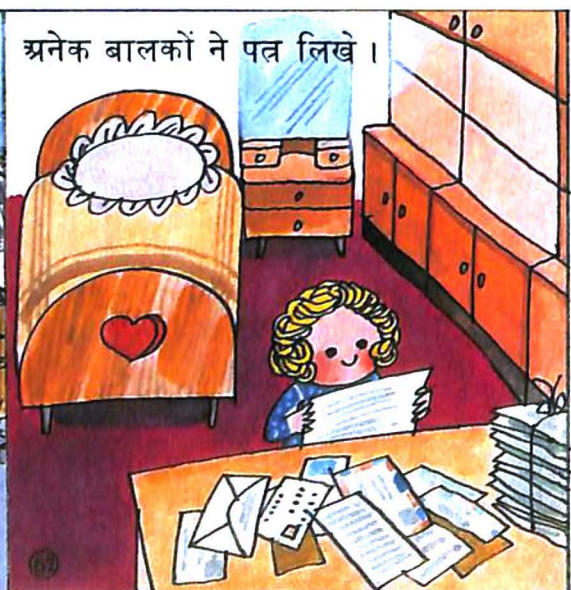
इतने फोन ग्रौर पत्रों से उसका सर चकरा उठा।
63

कोई तुमसे मिलने ग्राए हैं।
64
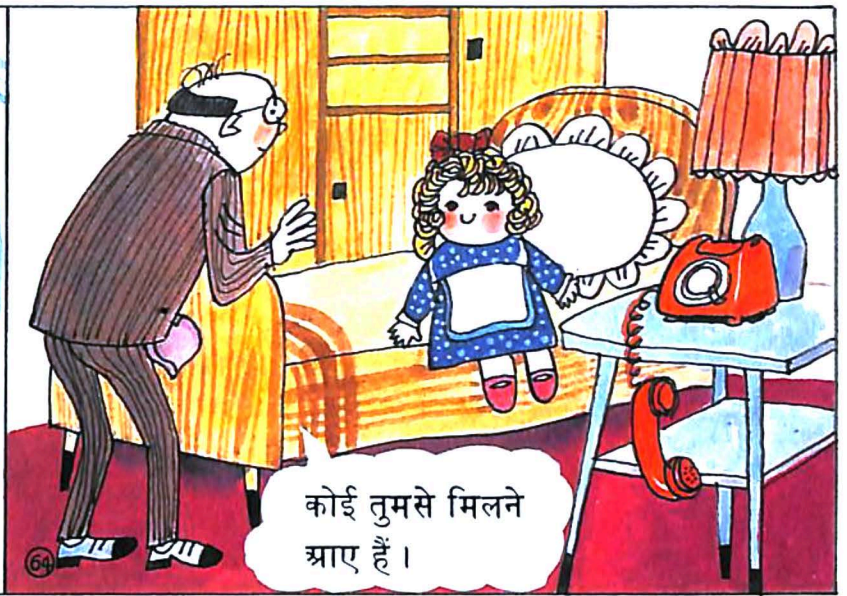
वे नर्सरी के बच्चे थे।
65

मुझे टी. वी. स्टेशन जाना है।
66

मैं ग्रब प्रसिद्ध ग्रभिनेत्री हूं।
इन बच्चों से क्या मिलूंगी।
67

छाग्रोई, छाग्रोई।
68

छाग्रोई पार्क में क्रीडा
कर रही थी।
अरे, टी. वी. स्टेशन
जाना तो भूल ही गई।

टी. वी. स्टेशन है कहां?

मुझे लइ-लइ का घर
नहीं छोड़ना था।
वह अकेले में डर रही थी।

वह एक बिलडिंग में घुस गई।
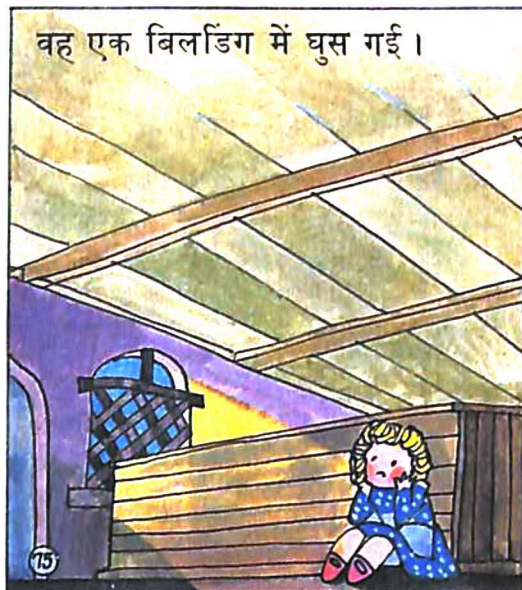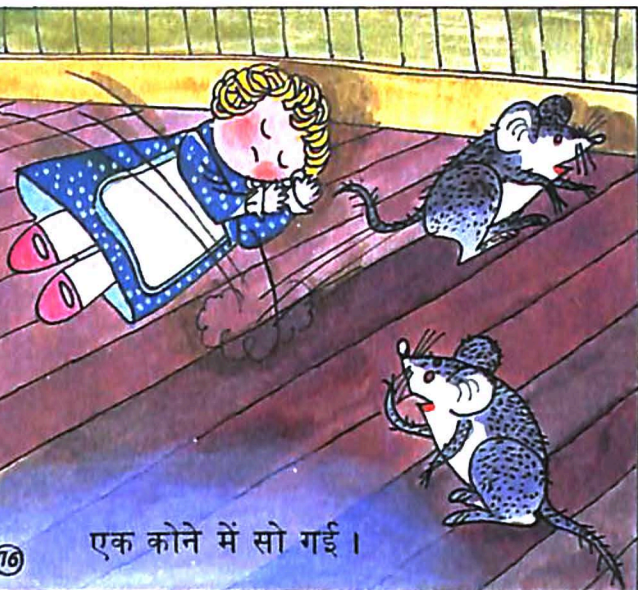
एक कोने में सो गई।

छाम्रोई ने एक टेप निकाला ।
80
और स्वयं में फिट कर लिया ।
81

म्याऊं . . .
म्याऊं !
82
यह बिल्ली कहां बोल रही है ?
83
म्याऊं !
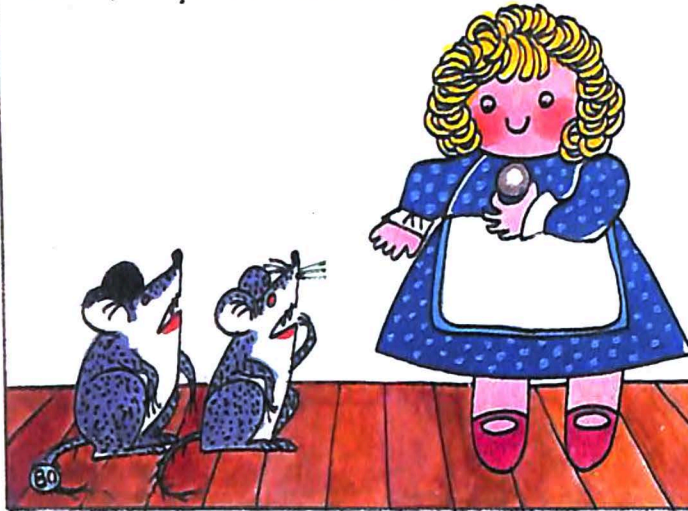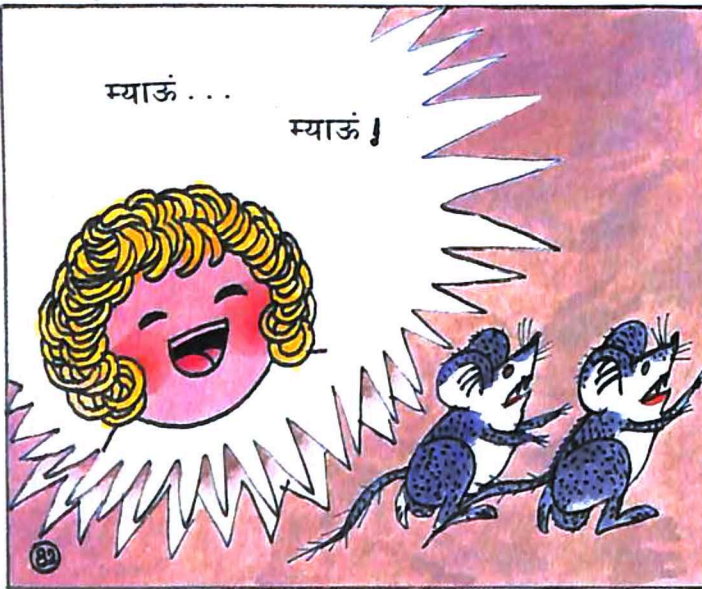
अरे, तुम ? कहां थीं ?
लड़-लड़ आवाज सुन कर तुरन्त बाहर निकल आई ।
85

छाओई मौन रही।
दूसरे खिलौने कहां हैं?

वे सब थियेटर में हैं।
कल तुम भी थियेटर में प्रोग्राम देना।

दूसरे दिन लइ-लइ छाओई को थियेटर ले गई।

आज की ताजा खबर! छाओई लापता!
छाओई यहां है।
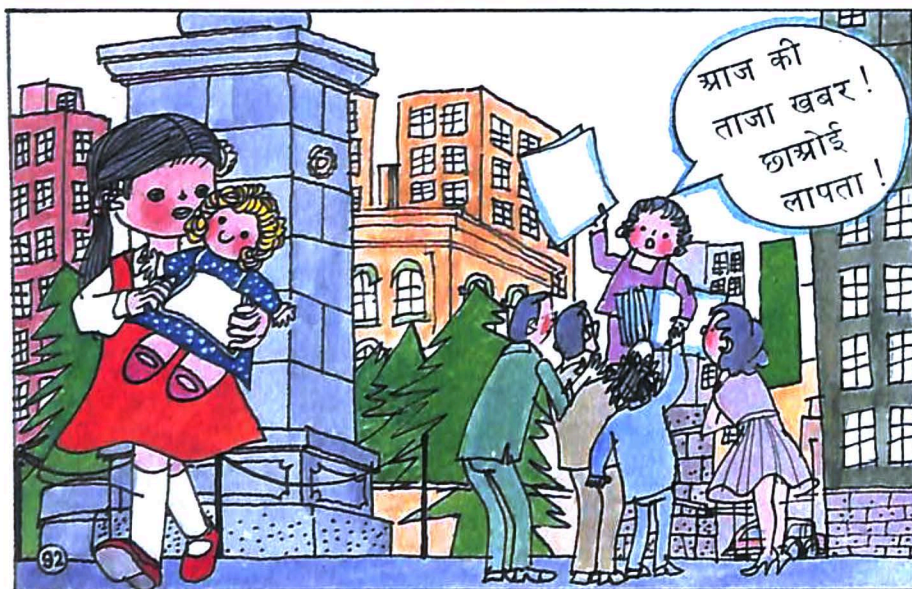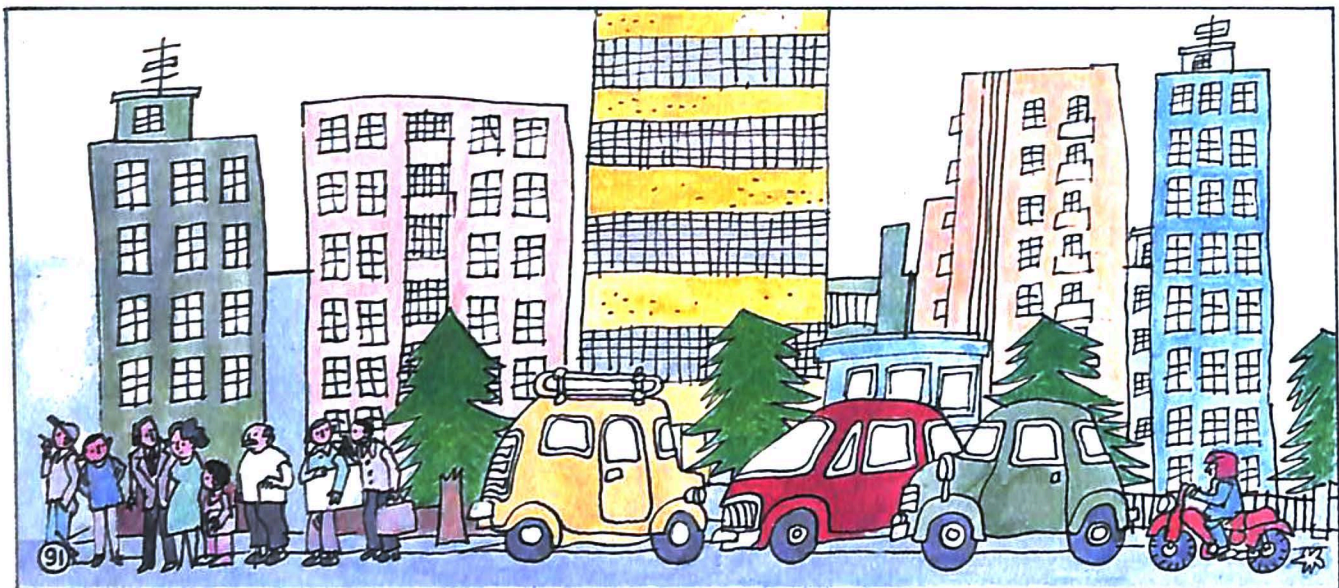
सबने उसे घेर लिया।

टी. वी. स्टेशन और थियेटर के अधिकारी आ पहुंचे।
छाओई थियेटर में रहेगी।
नहीं, वह टी. वी. स्टेशन जाएगी।

नहीं, मैं कहीं नहीं जाऊंगी। मैं तो नर्सरी जाऊंगी।
कार नर्सरी की ओर रवाना हुई।

रास्ते में एक व्यक्ति ने कार रोकी।

इसीने छाग्रोई के शरीर में टेप फिट किया था।
छाग्रोई ने पूरी बात सुनाई।
मैं तुम्हारा टेप निकालने के लिए ग्राया हूं।
क्योंकि प्रसिद्ध बनकर तुम दूसरे बच्चों को तुच्छ समझने लगी हो।
चाचा जी, मैं ग्रपनी भूल समझ गई।

कार अब नर्सरी जा पहुंची।

नर्सरी के बच्चे उसके
स्वागत में कतार बांध
कर खड़े हो गए।

बाकी खिलौने भी पास आ गए।

छाओई, बच्चों को
कोई गीत सुनाओ।

छाओई ने अनेक गीत गाए।

会唱歌的布娃娃

常 瑞 编
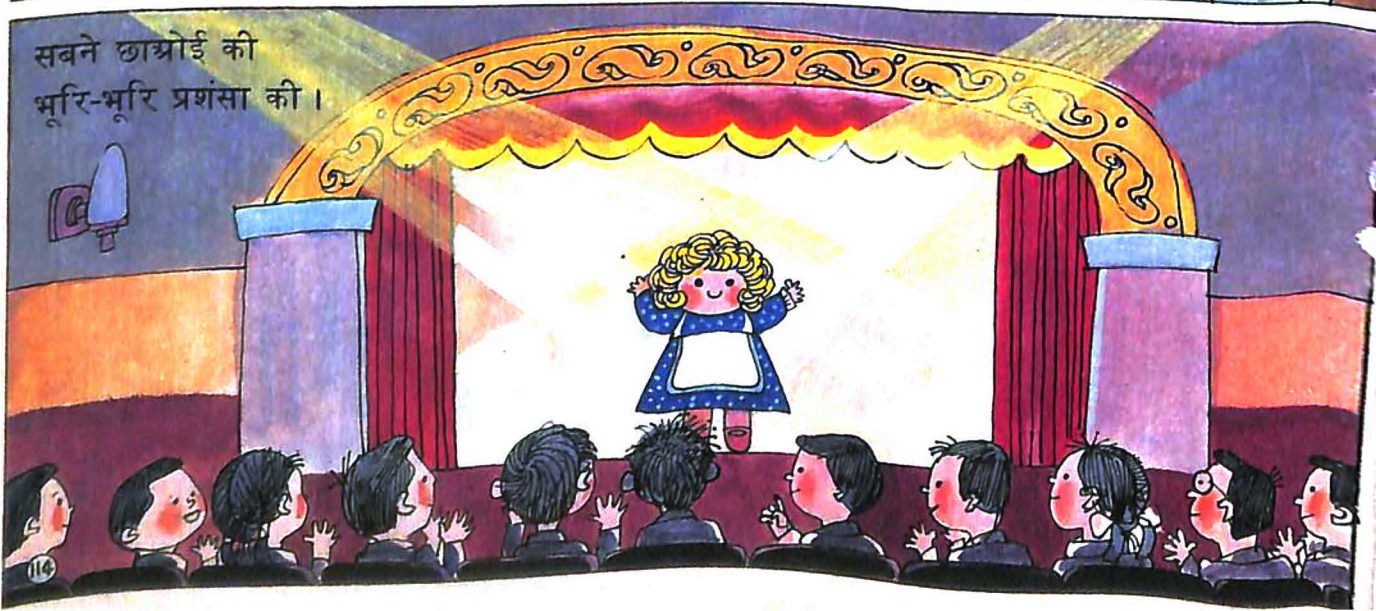
尚士水 绘

*

海豚出版社出版

（中国北京百万庄路24号）

二二〇七厂印刷

中国国际图书贸易总公司

（中国国际书店）发行

北京399信箱

1989年（16开）第一版

（印地）

ISBN 7-80051-461-7/J·612 （外）

00250

88-H-395P